SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

# युवाओं में आत्म–अभिप्रेरणा में भावनात्मक बुद्धि की भूमिका

डॉ0 अल्पना शर्मा, शोध निर्देषक, आई. ए. एस. ई. (डीम्ड) विष्वविद्यालय, गाँधी विद्या मन्दिर, सरदारषहर, चूरू (राज0)
पुनर्वसु चतुर्वेदी, शोधार्थी, आई. ए.एस. ई. डीम्ड इवी युनिवर्सिटी, गॉधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर, चुरू राज0

## सारांष

आत्म–अभिप्रेरणा द्वारा युवाओं में परिणामों का ज्ञान उच्च आकाक्षाये और स्पष्ट उद्देष्य को प्रोत्साहन कार्य करता है। चरित्र निर्माण व चरित्र के विकास और आदर्ष नागरिकता के विकास के लिए आत्म अभिप्रेरणा के साथ भावनात्मकबुद्धि से अच्छा ढंग नही हो सकता भावनात्मकबुद्धि मार्ग दर्षन देकर एक आषातीत तरीका बताते है। अतः सीखने में आत्म–अभिप्रेरणा का महत्वपूर्ण योगदान है।

भावनात्मक बुद्धि द्वारा युवा लोकतान्त्रिक प्रवृतियों के विकास में भी सहायक होते है। जिससे युवा संचार कौषल विकसित कर सकते है। जिससे युवा लोगो की भावनाओं को समझकर तथा उनके साथ जुड़ने को प्रेरित करते है। जिससे युवाओ में सामाजिक कौषल का विकास होता है।

आत्म अभिप्रेरणा के कारण भावनात्मकबुद्धि का उपयोग कर युवा अपने उद्देष्य को स्पष्ट और निर्देषित करके उसे परिणाम तक पहुॅचा सकते है। जिससे युवाओं के विचारो मे और जीवन स्मिरता व स्थायित्व और सकरात्मक सोच का विकास होता है। युवाओं में आत्म–जागरूकता के भावनात्मकबुद्धि की आवष्यकता

**तकनीकी शब्दावलीः–** **आत्म–अभिप्रेरणा, बुद्धि, भावनात्मकता, भूमिका भावनात्मक बुद्धि**

iajesm
Quality Of Work... Never Ended...